an>

Title: Regarding problems faced by industries of Banda Parliamentary Constituency of Uttar Pradesh due to power shortage.

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र बांदा-चित्रकूट में विद्युत व्यवस्था की बहुत ही दुर्व्यवस्था व्याप्त है। महीनों से ट्रांसफार्मर जले पड़े हैं। जब उन्हें बदलने के लिए कहा जाता है तो कहते हैं कि ट्रांसफार्मर नहीं है और अगर कहीं कोई ट्रांसफार्मर बदलता भी है तो पांच-दस हजार रूपए लेकर उनको बदलने का काम किया जाता है। जगह-जगह तारें और विद्युत पोल टूटे पड़े हैं, जिनकी वजह से सैकड़ों गांव अंधेरे में हैं। छोटे-छोटे उद्योग-धंधे भी नहीं चल पा रहे हैं, जिसकी वजह से उनमें काम करने वाले कामगार भूख से मर रहे हैं। सूखे की भीषण समस्या के समय बिजली न मिल पाने के कारण किसान धान के बेड तक नहीं लगा पा रहे हैं। उनके खेत सूने पड़े हैं। बिजली की समस्या इतनी भंयकर हो चुकी है कि शहर व कस्बों में पेयजल का भारी संकट पैदा हो गया है। आम जनमानस का कहना है कि लोक सभा चुनाव में हार के बाद राज्य सरकार बदले की भावना से जन विरोधी कार्य कर रही है। ऐसा इसलिए भी सच प्रतीत होता है कि जब विद्युत विभाग के अधिकारियों के सामने यह समस्या रखी जाती है तो वे शक्ति भवन, लखनऊ से बात करने को कहते हैं और जब लखनऊ वार्ता की जाती है तो कहते हैं कि शासन से बात करिए। विद्युत न मिल पाने के कारण इस भंयकर गर्मी में रात को सो नहीं पाने के कारण लोग मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो रहे हैं। हालात बहुत ही विषम हैं।

अतः मैं सदन के माध्यम से इस लोक महत्व के प्रश्न पर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए भारत सरकार से हस्तक्षेप की गुजारिश करता हूं।